# मान्ने रंग दो नाथ थोरे रंग में

मान्ने रंग दो नाथ, थोरे रंग में xII-II
^हो म्हारा, ठाकुर लक्ष्मी रे नाथ,
म्हारे, सिर पर राखो हाथ।
मेरी नाथ* वसो, म्हारे मन में,
मान्ने रंग दो नाथ, थोरे रंग में xII-II

तेरा श्याम, रंग लागे प्यारा* ॥
मेरी आँखों ने, इसको निहारा।
हो अब तो, वस जाओ मेरे नयन में।
हो म्हारा ठाकुर,,,,,,,,,,,,,,,,F

भोर भोर मैं, द्वारे आवाँ* ॥
चरणामृत, तुलसी पावाँ।
हो ऐसी लगन, लगाओ जीवन में।
हो म्हारा ठाकुर,,,,,,,,,,,,,,,,F

थोरे रूप में, मैं खो जावाँ* ॥
जब चाहवाँ, मैं दर्शन पावाँ।
हो ऐसी ज्योत, जलाओ ह्रदय में।
हो म्हारा ठाकुर,,,,,,,,,,,,,,,,F

प्रीत राज मैं, जाऊँ बलिहारी* ॥
आया नाथ, शरण मैं तिहारी।
हो अब तो रख लो, थोरी शरण में,
हो म्हारा ठाकुर,,,,,,,,,,,,,,,,F

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24754/title/maane-rang-do-nath-thore-rang-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |